

ABSTRACT

Presently, it is almost impossible to imagine our lives without Internet. Since the invention of the Internet, it has proved itself as a boon to mankind. Its usage has increased drastically over the period of time. Being this helpful in our daily lives, it has its own consequences. One of the major consequences is that of internet addiction which affect the personality and mental health of the people all over the globe. The most affected group from this consequence is youth or college/school going students.

The aim of the present study was to investigate the effects of internet addiction on personality and mental health of the professional and non-professional students. For this purpose, a sample of 550 participants was selected from various universities/ colleges/ institutes from Haryana. The data was collected through a check list for internet users; self made Internet Addiction Questionnaire, NEO Five Factor Inventory by Costa & McCrae (1992) and Positive Mental Health Inventory by Agashe & Helode (2008). The researcher applied 3×2 factorial design which includes the level of *Internet Addiction* and *Type of Courses*. After collecting data, it was analysed through Two Way ANOVA.

The result of the study shows that the severity of internet addiction influence the Three Personality Factors i.e. neuroticism, extraversion and agreeableness and did not influence other two personality factors such as openness to experiences and conscientiousness. The severity of internet addiction was found to have influenced the mental health of students enrolled in both professional and non-professional courses.

ABSTRACT

वर्तमान समय में इंटरनेट के बिना हमारे जीवन की कल्पना करना असंभव है। इंटरनेट का अविष्कार मानव जाति के लिए एक वरदान साबित हुआ है। समय के साथ इसका उपयोग बहुत तेजी से बढ़ रहा है। हमारे दैनिक जीवन में इंटरनेट के फायदे होने के साथ-साथ इसके कुछ दुष्परिणाम भी हैं। जिसमें इसका प्रमुख दुष्परिणाम मानव जाति को इंटरनेट की लत लगना है। जो दुनिया भर के लोगों के व्यक्तित्व व मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है इससे सबसे अधिक प्रभावित युवावर्ग, विद्यालय, विश्वविद्यालयों में जाने वाले छात्र-छात्राएं हैं।

इस शोधकार्य का प्रमुख उद्देश्य पेशेवर व गैर-पेशेवर छात्र और छात्राओं के व्यक्तित्व और मानसिक स्वास्थ्य पर इंटरनेट की लत के प्रभाव का शोध करना था। इस शोध के लिए हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों, संस्थानों, कॉलेजों से 550 प्रतिभागीयों के एक प्रतिदर्श चुना गया था। इस अध्ययन के लिए शोधकर्ता द्वारा इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के लिए बनाई गई एक सूची, इंटरनेट एडिक्शन प्रश्नावली, कोस्टा और मेकके द्वारा एनईओ फाईव फेक्टर इन्वेंटरी (1992), और अगाशे एंड हेलोड (2008) द्वारा तैयार पॉजिटिव मेंटल हेल्थ इन्वेंटरी का प्रयोग करके आकड़ों को एकत्रित किया गया। इसके लिए 3×2 फैक्टोरियल डिजाइन का प्रयोग किया गया, जिसमें इंटरनेट की लत के तीन स्तर और कोर्स के प्रकार के दो स्तर थे। टु-वे अनोवा (TWO WAY ANOVA) के द्वारा एकत्रित आकड़ों का विश्लेषण किया गया।

इस शोध का परिणाम यह दर्शाता है कि इंटरनेट एडिक्शन की तीव्रता व्यक्तित्व के तीन कारकों मनोविक्षुब्धता, बहिर्मुखता, सहमत्ता को प्रभावित करती है किंतु खुलापन और अंतर्विवेकशीलता को प्रभावित नहीं करती है और यह भी पाया गया कि इंटरनेट एडिक्शन की तीव्रता पेशेवर व गैर-पेशेवर छात्र, छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रभाव डालता है।